

उलटे क्रि.वि. (देश.) नियम के विरुद्ध, असंगत ढंग से।

उलथा पुं. (देश.) बदलाव, दूसरी ओर नृत्य. उछलकूद पूर्वक ताल पर सहयोग देना।

उलदना सं.क्रि. (तद्.) झड़ी लगना, अतिशय वृष्टि करना।

उलफत स्त्री. (अर.) आत्मीयता; प्रेम, मुहब्बत।

उलमा पुं. (अर.) आलिम लोग, विद्वज्जन।

उलमि क्रि.वि. (तद्.) सहारा लेकर, झुककर।

उलरना अ.क्रि. (देश.) 1. पीछे की ओर झुक जाना। अधिक भार हो जाने के कारण बैलगाड़ी के पिछले भाग का उलार होना या झुका होना 2. उछल-कूद करना 3. आक्रमण करना, टूट पड़ना।

उलहना अ.क्रि. (देश.) 1. फूटना 2. निकलना 3. खिलना, उल्लसित होना प्रयो. जननि थीं कर से जब पौछती। उलहती तब वेलि विनोद की-प्रिय प्रवास)।

उलॉक पुं. (देश.) डाक-व्यवस्था।

उलॉकी पुं. (देश.) डाक ले जाने वाला, डाकिया, हरकारा।

उलॉघना स.क्रि. (तद्.) कूद-फाँद कर जाना, उल्लंघन करना, नियम और आदेश का उल्लंघन करना।

उलार वि. (तद्.) भार के कारण पीछे की ओर झुके भार वाला, भार की वजह से पीछे की ओर झुकी बैलगाड़ी।

उलातना स.क्रि. (तद्.) पालन करना, पोषण करना या लालन करना।

उलाहना पुं. (तद्.) उपालंभ, किसी व्यवहार की शिकायत, गिला स.क्रि. उलाहना देना, निंदा करना, गिला करना।

उलाहित क्रि.वि. (तद्.) त्वरित, शीघ्र।

उलीचना स.क्रि. (तद्.) हथेलियों से या बरतन से पानी निकाल कर बाहर फेंकना प्रयो. पानी बाढ़े नाव में, घर में बाढ़े दाम। दोऊ हाथ उलीचिए, यही सयानो काम।

उलूक पुं. (तत्.) उल्लू पक्षी, घुग्घू। दे. उल्लू।

उलूकदर्शन पुं. (तत्.) 1. उल्लू का दिखाई पड़ना। 2. कणाद मुनि द्वारा प्रणीत वैशेषिक दर्शन।

उलूकवृत्ति स्त्री. (तत्.) उल्लू जैसा स्वभाव या प्रवृत्ति, मूर्खभाव।

उलूखल पुं. (तत्.) 1. ऊखल 2. खरल।

उलेड़ना स.क्रि. (देश.) तरल पदार्थ को एक पात्र से दूसरे पात्र में रखना या डालना।

उलेढ़ना स.क्रि. (देश.) कपड़े का किनारा मोड़कर या उलटकर सिलना।

उल्का स्त्री. (तत्.) खगो. सूर्य का चक्कर काटने वाले छोटे खगोलीय पिंड जो पृथ्वी की ओर आकर्षित होने पर इसके वायुमंडल की रगड़ से चमकने लगते हैं, टूटता तारा meteor 2. जलती लकड़ी, लूक, लुकाठा, मशाल, मशालची।

उल्काचक्र पुं. (तत्.) दैवी विपत्ति, बाधा।

उल्काधारी वि. (तत्.) उल्का धारण करने वाला या मशाल लेकर चलने वाला।

उल्कानवमी स्त्री. (तत्.) 1. आश्विन मास की शुक्ल पक्ष में होने वाली नवमी तिथि 2. 'उल्कानवमी' से प्रारंभ होकर एक वर्ष तक चलने वाला दुर्गा का प्रसिद्ध व्रत।

उल्कापथ पुं. (तत्.) आकाश से टूटकर पृथ्वी पर गिरने वाले उल्का का मार्ग।

उल्कापात पुं. (तत्.) तारा टूटना, लूक गिरना।

उल्कापिंड पुं. (तत्.) खगो. पृथ्वी पर गिरने वाला/ऐसा उल्का पिण्ड जो भस्म न होकर बालुकामय धूलिपिण्ड के रूप में ही हो। (पृथ्वी पर गिरे उल्का पिंड का भार 50000 किलोग्राम तक होता है)।